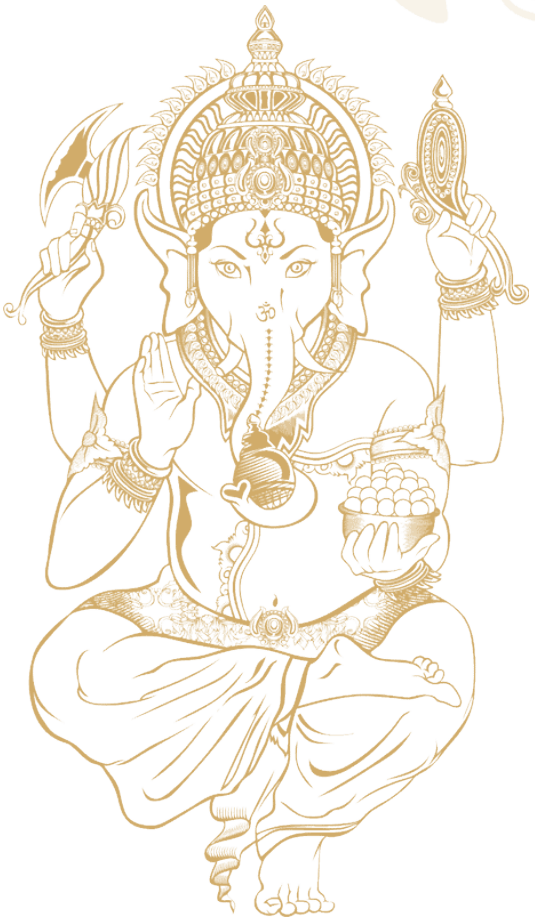

Ms.

03 Feb 2026

11:27 AM

Ballabgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121196202

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**03/02/2026**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**11:27:36 घंटे**
इष्ट	10:49:59 घटी
स्थान	**Ballabgarh**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:20:00 उत्तर
रेखांश	77:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:06:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:48 घंटे
साम्पातिक काल	20:00:36 घंटे
सूर्योदय	07:07:36 घंटे
सूर्यास्त	18:01:50 घंटे
दिनमान	10:54:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	20:10:55 मकर
लग्न के अंश	16:43:23 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शोभन
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मू-मुक्ता
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	16:43:23	449:16:34	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	---
सूर्य			मक	20:10:55	01:00:51	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	07:15:58	13:40:18	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
मंगल		अ	मक	14:15:54	00:47:00	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
बुध		अ	मक	29:13:53	01:46:23	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	22:53:30	00:06:24	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मक	26:46:29	01:15:15	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	04:38:28	00:06:02	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:48:44	00:00:40	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:48:44	00:00:40	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:14:12	00:00:03	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:58:46	00:01:43	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:32:40	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मक	03:49:51	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

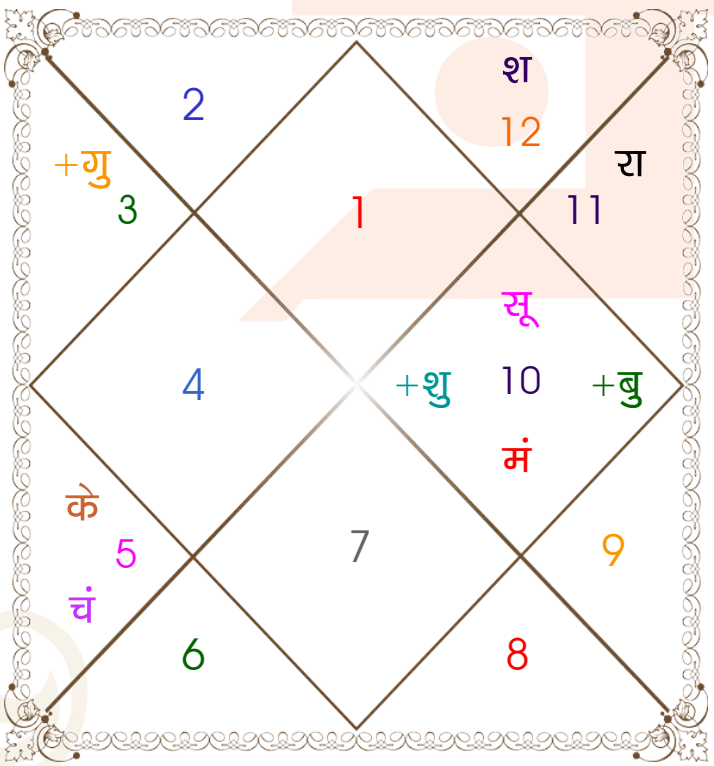

चन्द्र कुंडली

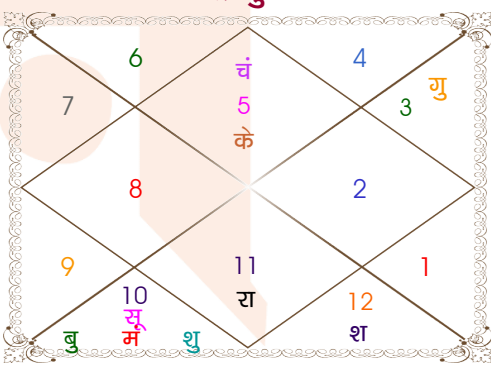

नवमांश कुंडली

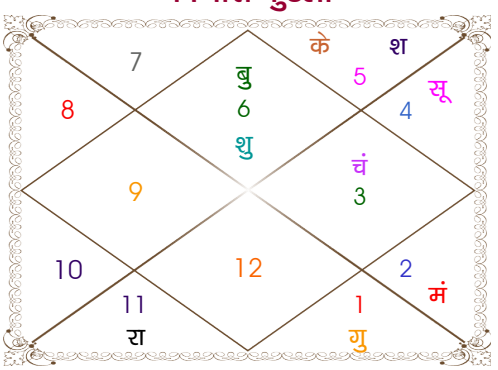

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 2 मास 6 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
03/02/2026		11/04/2029		11/04/2049		12/04/2055		11/04/2065	
11/04/2029		11/04/2049		12/04/2055		11/04/2065		11/04/2072	
	00/00/0000	शुक्र	11/08/2032	सूर्य	30/07/2049	चंद्र	10/02/2056	मंगल	08/09/2065
	00/00/0000	सूर्य	11/08/2033	चंद्र	29/01/2050	मंगल	10/09/2056	राहु	26/09/2066
	00/00/0000	चंद्र	12/04/2035	मंगल	05/06/2050	राहु	12/03/2058	गुरु	02/09/2067
	00/00/0000	मंगल	11/06/2036	राहु	30/04/2051	गुरु	12/07/2059	शनि	11/10/2068
	03/02/2026	राहु	12/06/2039	गुरु	16/02/2052	शनि	10/02/2061	बुध	08/10/2069
राहु	31/03/2026	गुरु	10/02/2042	शनि	28/01/2053	बुध	12/07/2062	केतु	06/03/2070
गुरु	06/03/2027	शनि	11/04/2045	बुध	05/12/2053	केतु	10/02/2063	शुक्र	06/05/2071
शनि	14/04/2028	बुध	10/02/2048	केतु	12/04/2054	शुक्र	11/10/2064	सूर्य	11/09/2071
बुध	11/04/2029	केतु	11/04/2049	शुक्र	12/04/2055	सूर्य	11/04/2065	चंद्र	11/04/2072

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
11/04/2072		12/04/2090		13/04/2106		12/04/2125		13/04/2142	
12/04/2090		13/04/2106		12/04/2125		13/04/2142		00/00/0000	
राहु	23/12/2074	गुरु	30/05/2092	शनि	15/04/2109	बुध	09/09/2127	केतु	09/09/2142
गुरु	18/05/2077	शनि	11/12/2094	बुध	25/12/2111	केतु	05/09/2128	शुक्र	09/11/2143
शनि	24/03/2080	बुध	18/03/2097	केतु	01/02/2113	शुक्र	07/07/2131	सूर्य	16/03/2144
बुध	11/10/2082	केतु	22/02/2098	शुक्र	03/04/2116	सूर्य	13/05/2132	चंद्र	15/10/2144
केतु	30/10/2083	शुक्र	24/10/2100	सूर्य	16/03/2117	चंद्र	12/10/2133	मंगल	13/03/2145
शुक्र	30/10/2086	सूर्य	12/08/2101	चंद्र	15/10/2118	मंगल	09/10/2134	राहु	04/02/2146
सूर्य	23/09/2087	चंद्र	12/12/2102	मंगल	24/11/2119	राहु	28/04/2137		00/00/0000
चंद्र	24/03/2089	मंगल	18/11/2103	राहु	30/09/2122	गुरु	04/08/2139		00/00/0000
मंगल	12/04/2090	राहु	13/04/2106	गुरु	12/04/2125	शनि	13/04/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 2 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह ज्ञात हो रहा है कि आपका जन्म मेष लग्न में अर्थात् जब मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था उस समय भरणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या राशि के नवमांश एवं सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। परिणामस्वरूप यह स्पष्ट हो रहा है कि आप महान भाग्यशाली हैं। प्रसन्नता का विषय यह है कि जब कभी भी संयोग प्राप्त हो मुख्य रूप से लाटरी के टिकट प्राप्त करने का सुअवसर प्राप्त करें ताकि आप शीघ्र ही धनवान बन सकें। अन्यथा परिणाम स्वरूप आप निर्विध्न आराम देह एवं आनंददायक जीवन व्यतीत करने के लिए प्रर्याप्त (धन) आय के अतिरिक्त साधन प्राप्त करें ताकि आपका सुखमय जीवन विलास-प्रियता से व्यतीत हो सके।

आप शरीर से दुबली (कृशकाय) कद की मांसल एवं हृष्ट-पुष्ट शरीर वाली संयमी स्त्री हैं। आपकी उन्नत ललाट, सुंदर और आकर्षक आंखे आपके व्यक्तित्व को अपेक्षाकृत सौंदर्य प्रदान कर रही हैं। यह संभव है कि आपके मस्तक पर कोई पुराने चोट या घाव के चिह्न हों। आपका संपूर्ण व्यक्तित्व सुंदर और आकर्षक है, जो मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति सुंदरता का केंद्र है। यह संभव है कि आप कामी पुरुष के आकर्षण में दिशाहीन होकर अपने शयन कक्ष के अतिरिक्त कहीं बाहर कामोत्तक आनंद प्राप्ति का पता लगाकर आनंद ले तो अन्य पुरुष के साथ संभोग के परिणाम स्वरूप यौन संबंधी रोग अर्थात् यौन रोग का शिकार हों। ऐसी संभावना है।

आप अपनी वाचाल प्रवृत्ति के प्रभाव से किसी भी विषय पर अपना मंतव्य प्रकट कर देती हैं, जो आवश्यक नहीं है। यह प्रवृत्ति आपकी मेधावीपना की औसत से अधिक है। फिर भी सदैव ही आप बात-चीत कर के अपना मुंह बंद नही रखती लगातार बोलते ही रहते हैं, जो आपके संपर्क में आता है। वह आपको अधिक सामान्य महिला समझता है। आपको पूर्णरूपेण अधिकाधिक मदद करता है। आपकी मित्रमंडली आपके लाभ के लिए धन का भुगतान भी करती हैं। अर्थात् मित्र से आपको आर्थिक लाभ होता है।

आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हैं कि आप में नेतृत्व की क्षमता विद्यमान है तथा आप एक अच्छी नेता के गुणों से पूर्ण हैं। आप अपनी योजना के संबंध में किसी अन्य के विचारों का कोई महत्व नहीं देतीं, वास्तव में आप अपने ही विचारों और निर्णयों को सर्वोपरि समझती हैं। परंतु किसी-किसी विषय में आप भ्रमित होकर किसी अन्य उपाय को अपनाती हैं। परंतु आप बिना किसी बड़ी बाधाओं के भी पार कर लेती हैं। सामान्यतः आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा क्योंकि आप में पूर्ण आत्म शक्ति विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगी। परंतु आप जब कोई जोखिम मोल लेंगी तब साधारण रूप से किसी प्रकार से घायल होने के प्रति सर्तकता बरतना होगा। विशेषतया दुर्घटना के कारण सिर में चोट न लगे, इसके लिए आपको पूर्णरूपेण सतर्क रहना चाहिए। क्योंकि यह दुर्घटना संभाव्य है। यदि आप सतर्क रहें तो संभावित दुर्घटना से सुरक्षित रहेंगी। क्योंकि आप कम से कम समय बचा कर भी स्वास्थ्य रक्षा के लिए अत्यधिक उत्साहित एवं अभिलाषित रहते हैं। आपकी बुद्धि और शरीर किसी भी दबाव से स्थिर रहता है।

अतएव आपके लिए यह उचित है कि आप अपनी तनाव मुक्ति हेतु यथा संभव विश्राम प्राप्त कर यथेष्ठ शयन करें। अन्यथा आप नस की गडबड़ी अथवा मस्तिष्क संबंधी रोग से ग्रसित हो जाएंगी। आपके लिए यह पूर्व सूचना है कि आप स्वास्थ्य रक्षा के लिए सभी संभव उपाय करे अर्थात् सचेत रहें, तथा समय-समय पर स्वास्थ्य संबंधी सलाह डॉक्टर से प्राप्त कर ही संयमित जीवन बिताएं। सामान्य स्वास्थ्य को उत्तम रखने के लिए आपको मद्य एवं मंसाहार से बच कर रहना चाहिए। आपको शाकाहारी भोजन का सेवन पर्याप्त मात्रा में करनी चाहिए। आप पर्याप्त मात्रा में धन प्राप्ति संबंधी वार्तालाप करने में विश्वास रखती हैं तथा धन प्राप्ति के सुअवसर प्राप्त करना चाहती हैं। आपको निम्नांकित निर्देशों का पालन करना चाहिए।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक से आप आकर्षित हैं। अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए अनुकूल नही है।

आपके लिए लाल, स्वर्णिम एवं पीला रंग भाग्यशाली प्रमाणित होगा।

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com